वीर नमद द ण गुजरात वि वि ालय, सुरत
थम वष बी.ए.
हिदी
सेमे टर-1
(जून 2011-2012 और 2012-2013 के वष के लिए)

प -1 हदी का (मु य और गौण) Core Course-01

तावना- आधुनिक हदी का नवीन भावभूमि एवम् नवीन वैचा रक गतिशीलता लेकर अवत रत आ। उ ीसव शती के उ रा ्म इसम नवीन संवेदनाएँ, भावनाएँ तथा नवीन विचार अभि ए ह। इसक विविध धाराएँ ह। इसलिए संवेदना तथा ान ि तिज के वि तार के लिए इसका अ ययन अ यंत आव यक तथा ासंगिक है।

पा पु तक- 1. श बूक-जगदीश गु
(लोकभारती काश, इलाहाबाद)

अ ययन के लिए निधा रत े -

ईकाई-1 जगदीश गु : ि व और कृति व
खं डका : प रभाषा एवम् ल ण
'श बूक': कथाव तु

ईकाई-2 'श बूक' : का - व प
'श बूक' के पा - श बूक और राम।
'श बूक' म आधुनिकता

ईकाई-3 'श बूक' का 'वनदेवता' सर्ग
'श बूक' म कृति-चि ण
'श बूक' म संवाद-योजना

ईकाई-4 'श बूक' शीर्षक क सार्थकता
'श बूक' का का उ े य
'श बूक' का कला-प ।

अंक-विभाजन-

ईकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचना मक (17×2=34 अंक)
ईकाई 3 और 4 से एक-एक ट पणी का (9×2=18 अंक)
'श बूक' से 18 वैक पिक (18×1=18 अंक)

संदभ-पु तक-

1.हिदी के खंडका म युग-बोध-डॉ.राज भार ाज
2.हिदी साहि य म पक-कथा-का : उ व और विकास-डॉ.नूरजहाँ बेगम
3.हिदी रामका : नये संदर्भ- डॉ. मिला अव थी
4.न बंध-का म आधुनिक-बोध-उर्वशी शर्मा
5.नयी कविता क बंध-चेतना-डॉ.महावीर सह चौहान
6.आधुनिक बंध-का :संवेदना के धरातल-संपा.डॉ.विनोद गोदरे
7. हंद के े का य का मू यांकन-संपा.डॉ.यश गुलाट
8. हंद के वातं यो र मिथक य ख-डॉ.क बला शमा (पा प लकेशन, अहमदाबाद)

****

अथवा

प -1 हदी का (मु य और गौण) Core Course-01

तावना- आधुनिक हदी का नवीन भावभूमि एवम् नवीन वैचा रक गतिशीलता लेकर अवत रत आ। उ ीसव शती के उ रा म इसम नवीन संवेदनाएँ, भावनाएँ तथा नवीन विचार अभि ए ह। इसक विविध धाराएँ ह। इसलिए संवेदना तथा ान ि तिज के वि तार के लिए इसका अ ययन अ यंत आव यक तथा ासंगिक है।

पा पु तक- 1. ौपदी-नरे शमा
(राजकमल काशन ा.लि. नई द ली)

अ ययन के लिए निधा रत े -

ईकाई-1 नरे शर्माः ि व और कृति व
खं डका : प रभाषा एवम् ल ण
' ौपदी': कथाव तु
ईकाई-2 ' ौपदी' : एक लघु का
' ौपदी' के मु य पा
ईकाई-3 ' ौपदी' म संवाद-योजना
' ौपदी' म ृति-चि ण।
' ौपदी' के गौण पा
ईकाई-4 ' ौपदी' शीर्षक क सार्थकता
' ौपदी' का का उ े य
' ौपदी' का कला-प ।

अंक-विभाजन-

ईकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचना मक (17×2=34 अंक)
ईकाई 3 और 4 से एक-एक ट पणी का (9×2=18 अंक)
' ौपदी' से 18 वैक पिक (18×1=18 अंक)

संदर्भ-पु तक-

1.हिदी के खंडका म युग-बोध-डॉ.राज भार ाज
2.न बंध-का म आधुनिक-बोध-उर्वशी शर्मा
3.नयी कविता क बंध-चेतना-डॉ.महावीर सह चौहान
4.आधुनिक बंध-का :संवेदना के धरातल-संपा.डॉ.विनोद गोदरे
5. हदी के का का मू यांकन-संपा.डॉ.ग्रश गुलाटी

****

प -2 हदी उप यास (मु य और गौण) Core Course-02

तावना- हदी ग विधा म उप यास सबसे अधिक विकसित व लोक य है। आज तो उसने शा का प धारण कर लिया है। अतः इस विधा का गहन अ ययन अनिवार्य है।

पा पु तक- 1.गंगा मैया-भैरव साद गु
(काशक-लोकभारती काशन, इलाहाबाद)

अ ययन के लिए निधा रत ` -

ईकाई-1 भैरव साद गु : ि व और कृति व
उप यासः प रभाषा एवम् त व।
'गंगा मैया': कथाव तु
'गंगा मैया': चि ित सम या
ईकाई-2 'गंगा मैया' : ता विक वि `षण
'गंगा मैया': एक आँचलिक उप यास
'गंगा मैया' के पा
ईकाई-3 'गंगा मैया' :संवाद-योजना
'गंगा मैया' म :वातावरण-योजना
'गंगा मैया' का नामकरण
ईकाई-4 'गंगा मैया' क भाषा-शैली
'गंगा मैया' म अधिकार-बोध
'गंगा मैया': उ` य।

अंक-विभाजन-
ईकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचना मक (17×2=34 अंक)
ईकाई 3 और 4 से एक-एक ट पणी का (9×2=18 अंक)
'गंगा मैया' से 18 वैक पिक (18×1=18 अंक)

संदर्भ-पु तक-

1. हदी के आँचलिक उप यास-संपा.डॉ.रामदरश मि -विवेक राय (वाणी काशन, द ली)
2. हदी उप यास का इतिहास-डॉ.गोपाल राय (राजकमल काशन ा.लि.नई द ली)
3.आंचलिकता और हदी उप यास-डॉ.नगीना जैन (अ र काशन, द ली)
4.उप यास का व प-डॉ.शशिभूषण सहल (आधुनिक काशन, द ली-53)
5. वातं यो र हदी उप यास म कृषक-जीवन-डॉ.उ म पटेल (शांति काशन, रोहतक)
6. वातं यो र हदी उप यास का व प, डॉ.मृ युंजय उपा याय
7.हिदी उप यासः एक अंतर्या ा-डॉ.रामदरश मि (राजकमल काशन ा.लि.नई द ली)

*****

अथवा

प -2 हदी उप यास (मु य और गौण) Core Course-02

तावना- हदी ग विधा म उप यास सबसे अधिक विकसित व लोक य है। आज तो उसने शा का प धारण कर लिया है। अतः इस विधा का गहन अ ययन अनिवार्य है।

पा पु तक- 1. निमला-`मचंद (लोकभारती काशन इलाहाबाद)

अ ययन के लिए निधा रत ` -

ईकाई-1 `मचंदः ि व और कृति व
उप यासः प रभाषा एवम् त व।

'निर्मला': कथाव तु

ईकाई-2 'निर्मला' : ता विक वि ेषण

'निर्मला': एक सामाजिक उप यास

'निर्मला' के पा

ईकाई-3 'निर्मला' उप यास का शीर्षक

'निर्मला' के गौण पा

'निर्मला' म संवाद-योजना

'निर्मला' उप यास म वातावरण

ईकाई-4 'निर्मला' उप यास क भाषा-शैली

'निर्मला' का उ े य

'निर्मला' उप यास का शीर्षक।

अंक-विभाजन-

ईकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचना मक	(17×2=34 अंक)
ईकाई 3 और 4 से एक-एक ट पणी का	(9×2=18 अंक)
'निर्मला' से 18 वैक पिक	(18×1=18 अंक)

संदभ-पु तक-

1. ेमचंद-डॉ.स य (राधाकृ ण काशन, नई द ली)
2. ेमचंद-डॉ.रामविलास शर्मा (राजकमल काशन ा.लि.नई द ली)
3. ेमचंदः एक अ ययन-डॉ.राजे र साद गु (राजकमल काशन ा.लि.नई द ली)
4. हदी उप यासः एक अंतर्या ा-डॉ.रामदरश मि (राजकमल काशन ा.लि.नई द ली)
5. ेमचंदः एक साहि यिक विवेचन-नंददुलारे वाजपेयी (राजकमल काशन ा.लि.नई द ली)

****

HINDI
B.A. DEGREE COURSE

1ST SEMESTER

Sr. No.	Name of Course	Total Marks Ext / Internal	Parsing Standard	Total Teaching Hours	Weekly Teaching Hours	Credits
1	PAPER -1 हदी का Core Course-1	70+30=100	28+12=40	15 Weeks × 3 = 45 Hrs	3 Hrs	03
2	PAPER- 1 हदी का Core Course-1	70+30=100	28+12=40	15 Weeks × 3 = 45 Hrs	3 Hrs	03
3	PAPER -2 हदी उप यास Core Course-1	70+30=100	28+12=40	15 Weeks × 3 =45 Hrs	3 Hrs	03
4	PAPER -2 हदी उप यास Core Course-1	70+30=100	28+12=40	15 Weeks × 3 = 45 Hrs	3 Hrs	03
					Total Credits	06

Model of Time-Table

Session	1	2	3	4	5
	Class -room teaching of two course in each				Each Day 3th Hour can

****

वीर नमद द ण गुजरात वि वि ालय, सुरत
थम वष बी.ए.
हिंदी
सेमे टर-2
(जून 2011-12 और 2012-13 के वष के लिए)

प -3 आधुनिक हदी कविता (मु य और गौण) Core Course-03

तावना- आधुनिक हदी का नवीन भावभूमि एवम् नवीन वैचा रक गतिशीलता लेकर अवत रत आ। उ ीसव शती के उ रा म इसम नवीन संवेदनाएँ, भावनाएँ तथा नवीन विचार अभि ए ह। इसक विविध धाराएँ ह। इसलिए संवेदना तथा ान ि तिज के वि तार के लिए इसका अ ययन अ यंत आव यक तथा ासंगिक है।

पा पु तक-**साहि य-धारा का -सं ह संपा.डॉ.सुरेश बाबर**
(काशक-जगत भारती काशन, 322, नयी ब ती, क डगंज, इलाहाबाद-3)

अ ययन के लिए निधा रत ं -

इकाई-1 याचना, गीत (साद)
ामयुवती (पंत)
जागो फर एक बार, सं यासुंदरी (निराला) कविताएँ।

इकाई-2 मधुशाला, जो बीत गयी (ब न)
बापू, लोहे के पेड़ हरे ह गे (दनकर) कविताएँ।

इकाई-3 ंत का बयान, ब त दन के बाद (नागार्जुन)
वरदान माँगूँगा नह , मि ी क महिमा (सुमन) कविताएँ।

इकाई-4 हरा-भरा देश, नदी के ीप, (अ ेय)
भोरः एक लै ड कैप, पं ह अग त (गि रजाकुमार माथुर) कविताएँ।

अंक-विभाजन-

ईकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचना मक (17×2=34 अंक)
ईकाई 3 और 4 से एक-एक ट पणी का (9×2=18 अंक)
प ठत कविता से 18 वैकि पक (18×1=18 अंक)

संदभ-पु तक-

1.छायावाद-डॉ.नामवर सह (राजकमल काशन ा.लि.नई द ली)
2. साद का का -डॉ. ेमशंकर
3.अ ेय का का - एक पुनर्मू यांकन-शंभुनाथ चतुवदी
4.अ ेयः एक अ ययन-डॉ.भोलाभाई पटेल
5.निराला-डॉ.रामविलास शर्मा (राधाकृ ण काशन, नई द ली)
6.नयी कविता के तिमान-ल मीकांत वर्मा
7.जयशंकर साद-आ.नंददुलारे वाजपेयी
8.सुमि ानंदन पंत-आनंद काश दीि त
9.ह रवंशराय ब न क साहि य-साधना-पु पा भारती (वाणी काशन, नई द ली)
10.आज के लोकि य कवि ब न-संपा.चं गु वि ालंकार (राजपाल ए ड स ज, द ली)
11.ब नः ि व और कृति व-जीवन काश जोशी (स मार्ग काशन, द ली)
12.नई कविता-डॉ.देवराज (वाणी काशन, द ली)
13.नागार्जुन क कविता-अजय तिवारी
14. आज के लोकि य हदी कवि दनकर-संपा.म मथनाथ गु (राजपाल ए ड स ज, द ली)

*****

अथवा

प -3 **आधुनिक हदी कविता (मु य और गौण) Core Course-03**

तावना- आधुनिक हदी का नवीन भावभूमि एवम् नवीन वैचा रक गतिशीलता लेकर अवत रत आ। उ ीसव शती के उ रा म इसम नवीन संवेदनाएँ, भावनाएँ तथा नवीन विचार अभि ए ह। इसक विविध धाराएँ ह। इसलिए संवेदना तथा ान ि तिज के वि तार के लिए इसका अ ययन अ यंत आव यक तथा ासंगिक है।

पा पु तक- **का -वैभव संपा. रवी नाथ सह**
(काशक-साहि य भवन ा.लि., जीरो रोड, इलाहाबाद)
अ ययन के लिए निधा रत ` -

इकाई-1 शुभकामना (गु)
हिमा तुंग ृंग से, जाग री(साद)
भारतमाता (पंत)
तोड़ती प थर (निराला) कविताएँ
इकाई-2 गीत-रामकुमार वर्मा
मधुर मधुर मेरे दीपक जल (महादेवी वर्मा)
हिमालय के ति (दनकर)
औ ोगिक ब ती (अ ेय) कविताएँ।
इकाई-3 काल, तुझसे होड़ है (शमशेर बहादुर सह)
हम भी साझीदार थे (नागार्जुन)
नीड़ का निर्माण (ब न)
चं गहना से लौटती बैर (केदारनाथ अ वाल) कविताएँ।
इकाई-4 मेरा देश जल रहा (शिवमंगल सह सुमन)
करन धेनुएँ (नरेश मेहता)
टूटा पहिया (धर्मवीर भारती)
कवि गीत (डॉ.जगदीश गु) कविताएँ।

अंक-विभाजन-

ईकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचना मक (17×2=34 अंक)
ईकाई 3 और 4 से एक-एक ट पणी का (9×2=18 अंक)
प ठत कविता से 18 वैकि पक (18×1=18 अंक)

संदभ-पु तक-

1.छायावाद-डॉ.नामवर सह (राजकमल काशन ा.लि.नई द ली)
2. साद का का -डॉ. ेमशंकर
3.अ ेय का का - एक पुनर्मू यांकन-शंभुनाथ चतुवदी
4.अ ेयः एक अ ययन-डॉ.भोलाभाई पटेल
5.निराला-डॉ.रामविलास शर्मा (राधाकृ ण काशन, नई द ली)
6.नयी कविता के तिमान-ल मीकांत वर्मा
7.जयशंकर साद-आ.नंददुलारे वाजपेयी
8.सुमि ानंदन पंत-आनंद काश दीि त
9.ह रवंशराय ब न क साहि य-साधना-पु पा भारती
10.आज के लोकि य कवि ब न-संपा.चं गु वि ालंकार (राजपाल ए ड स ज, द ली)
11.ब नः ि व और कृति व-जीवन काश जोशी (स मार्ग काशन, द ली)
12.नागार्जुन क कविता-अजय तिवारी
13.महीयसी महादेवी-गंगा साद पा डेय (लोकभारती काशन, इलाहाबाद)
14.महादेवी-इ नाथ मदान (राधाकृ ण काशन, नई द ली)
15.धर्मवीर भारती क साहि य-साधना-संपा.पु पा भारती
16.धर्मवीर भारतीः युग-चेतना और अभि ि -डॉ.स रता शु ला (चतन काशन, कानपुर)

17.धर्मवीर भारतीःअनुभव और अभि ि -ल मणद गौतम (भारत पु तक भंडार, द ली)
18.नई कविता के तिमान-ल मीकांत वर्मा (लोकभारती काशन, इलाहाबाद)
19. गतिशील का धारा और केदारनाथ अ वाल-डॉ.रामविलास शर्मा
20.केदारनाथ अ वाल-संपा.अजय तिवारी
21.समकालीन हिदी कविता-वि नाथ साद मि

****

प -4 आधुनिक हदी कहानियाँ (मु य और गौण) Core Course-04

तावना- आधुनिक काल म ग साहि य के विविध प का विकास इस बात का सा ी है क ौढ मन क पूर्ण अभि ि ग ही म संभव है। निबंध, नाटक, उप यास, कहानी तथा अ य विविध विधा के प म ग साहि य का विकास तेजी से आ है। मनु य को उसक कृति, प रवेश, प रि थिति तथा चतन क विकास- या के साथ ामाणिक प म ग के मा यम से ही जाना जा सकता है। अतः इसका अ ययन अनिवार्य है।

पा पु तक- **कहानी-स रता संपा. याम बिहारी सार वत**
(अमर काशन, सदर बाजार,मथुरा)

अ ययन के लिए निधा रत ` -

इकाई-1 परी ा-`मचंद
बिसाती- साद
मनु य यह! -उपे नाथ अ क
इकाई-2 परदा-यशपाल
चीफ क दावत-भी म साहनी
अभाव-वि णु भाकर
इकाई-3 यायमं ी-सुदर्शन
पापी पेट-सुभ ाकुमारी चौहान
इकाई-4 सयानी बुआ-म ू भंडारी
हरी बि दी-मृदुला गर्ग

अंक-विभाजन-

ईकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचना मक (17×2=34 अंक)
ईकाई 3 और 4 से एक-एक ट पणी का (9×2=18 अंक)
प ठत कहानिय से 18 वैकि पक (18×1=18 अंक)

संदभ-पु तक-

1. `मचंद-डॉ.स ये (राधाकृ ण काशन, नई द ली)
2. `मचंद-डॉ.रामविलास शर्मा (राजकमल काशन ा.लि.नई द ली)
3. हदी कहानीः अंतरंग पहचान-डॉ.रामदरश मि (राजकमल काशन ा.लि.नई द ली)
4. नई कहानीःसंदर्भ और वृ ि-संपा.डॉ.देवीशंकर अव थी(राजकमल काशन ा.लि.नई द ली)
5. एक दुनियाः समाना तर-संपा.राजे यादव(राजकमल काशन ा.लि.नई द ली)
6. कथा-साहि य के सौ बरस-संपा.विभूति नारायण राय (शि पायन,शाहदरा, द ली-32)
7. हदी कहानीः कया और पाठ-सुरे चौधरी (राधाकृ ण काशन, नई द ली)
8. हदी कहानी का इतिहास-डॉ.गोपाल राय(राजकमल काशन ा.लि.नई द ली)

****

अथवा

प -4 आधुनिक हदी कहानियाँ (मु य और गौण) Core Course-04

तावना- आधुनिक काल म ग साहि य के विविध प का विकास इस बात का सा ी है क ौढ मन क पूर्ण अभि ि ग ही म संभव है। निबंध, नाटक, उप यास, कहानी तथा अ य विविध विधा के प म ग साहि य का विकास तेजी से आ है। मनु य को उसक कृति, प रवेश, प रि थति तथा चतन क विकास- या के साथ ामाणिक प म ग के मा यम से ही जाना जा सकता है। अतः इसका अ ययन अनिवार्य है।

पा पु तक- **कहानी-विविधा संपा.डॉ.देवीशंकर अव थी**
(राजकमल काशन ा.लि. नई द ली)

अ ययन के लिए निधा रत ` -

इकाई-1 ईदगाह-`मचंद
उसने कहा था-चं घर शर्मा गुलेरी
मधुआ- साद
इकाई-2 ताई-वि `भरनाथ शर्मा कौशिक
ह दी घाटी म-चतुरसेन शा ी
करवा का त-यशपाल
इकाई-3 एक गौ-जैने कुमार
मुगल ने स तनत ब श दी -भगवतीचरण वर्मा
इकाई-4 शरणदाता-अ`य
आ ी-मोहन राकेश

अंक-विभाजन-

ईकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचना मक (17×2=34 अंक)
ईकाई 3 और 4 से एक-एक ट पणी का (9×2=18 अंक)
प ठत कहानिय से 18 वैकि पक (18×1=18 अंक)

संदभ-पु तक-

1. `मचंद-डॉ.स ये (राधाकृ ण काशन, नई द ली)
2. `मचंद-डॉ.रामविलास शर्मा (राजकमल काशन ा.लि.नई द ली)
3. हदी कहानीः अंतरंग पहचान-डॉ.रामदरश मि (राजकमल काशन ा.लि.नई द ली)
4. नई कहानीःसंदर्भ और वृ ि-संपा.डॉ.देवीशंकर अव थी(राजकमल काशन ा.लि.नई द ली)
5. एक दुनियाः समाना तर-संपा.राजे यादव(राजकमल काशन ा.लि.नई द ली)
6. कथा-साहि य के सौ बरस-संपा.विभूति नारायण राय (शि पायन,शाहदरा, द ली-32)
7. हदी कहानीः कया और पाठ-सुरे चौधरी (राधाकृ ण काशन, नई द ली)
8. हदी कहानी का इतिहास-डॉ.गोपाल राय(राजकमल काशन ा.लि.नई द ली)

*****

HINDI
B.A. DEGREE COURSE

2nd SEMESTER

Sr. No.	Name of Course	Total Marks Ext / Internal	Parsing Standard	Total Teaching Hours	Weekly Teaching Hours	Credits
1	PAPER -3 आधुनिक हदी कविता Core Course-2	70+30=100	28+12=40	15 Weeks × 3 = 45 Hrs	3 Hrs	03
2	PAPER- 3 आधुनिक हदी कविता Core Course-2	70+30=100	28+12=40	15 Weeks × 3 = 45 Hrs	3 Hrs	03
3	PAPER -4 आधुनिक हदी कहानियाँ Core Course-2	70+30=100	28+12=40	15 Weeks × 3 =45 Hrs	3 Hrs	03
4	PAPER -4 आधुनिक हदी कहानियाँ Core Course-2	70+30=100	28+12=40	15 Weeks × 3 = 45 Hrs	3 Hrs	03
					Total Credits	06

Model of Time-Table

Session	1	2	3	4	5
	Class -room teaching of two course in each				Each Day 3th Hour can